पिछले कुछ सालों में विवाह करने की आयु से संबंधित विचारों में भी परिवर्तन आये हैं क्योंकि आज विलम्ब विवाह का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। माता-पिता की सोचने की अभिवृत्ति में भी परिवर्तन आ रहे हैं। वे कन्या द्वारा चुने जाने वाले वर के योग्य होने पर उसका विवाह अपनी कन्या से कर देते हैं। वे पहले अपनी संतान को प्रत्येक परिस्थिति से लड़ने योग्य, आर्थिक दृष्टि से सक्षम बनाकर अपने दायित्वों का निर्वाह करने योग्य बनाना चाहते हैं, इसके पश्चातद्य उनका विवाह सम्पन्न कराते हैं।

संदर्भ सूची-

1. दुबे, अभय कुमार (2003), *पितृसत्ता के नये रुप: भारत का भूमण्डलीकरण,* वाणी प्रकाशन, पृ.सं. 221.
2. मेहरोत्रा सोनल (2008), *युवा छात्राओं के विवाह संबंधी मूल्यों में परिवर्तन: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (वनस्थली विद्यापीठ के विशेष संदर्भ में),* वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान.
3. मार्शल, गोल्डन (1998) *डिक्शनरी ऑफ सोशियोलॉजी,* ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, न्यूयॉर्क, पृ.सं. 689-690.
4. जॉनसन, हैरी एम. (1966), *सोशियोलॉजी ए सिस्टमैटिक इन्ट्रोडक्शन,* एप्लॉइड पब्लिशर्स, बम्बई, पृ.सं. 50.
5. शुक्ला महेश, मिश्रा शुभ्राणी (2007, *विश्वविद्यालयीन छात्राओं में परिवार एवं विवाह के प्रति बदलता दृष्टिकोण,* समाज वैज्ञानिकी, (३०), पृ.सं. 1-10.
6. जाहिद, दिलारा (2007), *इम्पैक्ट ऑफ कल्चरल ग्लोबलाईजेशन ऑन द अपर क्लास यूथ इन ढाका,* यूनिवर्सिटी ऑफ डेवलपमेन्ट अल्टरनेटिव्स (यू.ओ.डी.ए.) ढाका.
7. शर्मा, संध्या एवं चन्दोला, प्राची: वेयर देयर पाथ क्रॉस, *द हिन्दुस्तान टाइम्स,* अक्टूबर 14, 1996.
8. एफ, इस्लाम (1987), राईजिंग एज ऐट मैरिज इन ए विलेज इन उत्तर प्रदेश, *जनरल ऑफ फैमिली वैल्फेयर.*
9. सेठी, राजमोहनी (1976), *मॉडनाईजेशन ऑफ वर्किंग वूमने इन डैवलपिंग सोसाइटीज,* नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली.
10. कपूर, प्रमिला (1974), *चेन्जिंग स्टेटस ऑफ वूमेन इन इण्डिया,* विकास पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली.

स्वच्छता कार्य में लगे श्रमिकों की समस्यायें

डॉ. के.के.शर्मा

प्राध्यापक समाजशास्त्र

शा.ठाकुर रणमत सिंह स्वशासी महाविद्यालय,रीवा (म.प्र.)

एवं

शशि सिंह

एम.फिल. समाजशास्त्र

शा.ठाकुर रणमत सिंह स्वशासी महाविद्यालय,रीवा (म.प्र.)

सारांश

मानव जीवन की तीन मूलभूत आवश्यकताएं है-भोजन, वस्त्र और आवास। पौष्टिक भोजन, स्वच्छ वस्त्र तथा साफ-सुथरा आवास मानव की कार्यक्षमता एवं जीवन को सुचारु रुप से सक्रिय रखने के लिए न्यूनतम एवं वांछनीय आवश्यकताएं है। कार्यक्षमता की अनुकूल दशाओं के विकास के लिये श्रमिकों का संतुलित पोषण, स्वास्थ्य व आवास की उपलब्धता आवश्यक है, इसी प्रकार स्वच्छता कार्य में लगे श्रमिक, श्रमिकों की श्रेणियों में से एक हैं। स्वच्छता कार्य में लगे श्रमिकों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है, उनमें से स्वास्थ्य, संतुलित आहार व आवास है।

स्वच्छता कार्य में लगे श्रमिकों में महिला तथा पुरुष दोनों योगदान दे रहे है, जिनको कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। परिवेश, वातावरण की सफाई के साथ-साथ स्वयं की स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है। रीवा नगर में सफाई व्यवस्था में लगे श्रमिकों को सफाई के उपयुक्त साधनों का उपलब्ध न होना एक बड़ी समस्या है, जिसके कारण इन्हें अपने स्वास्थ्य को दरकिनार करते हुए सफाई कार्य को पूरा किया जाता है। स्वच्छता कर्मियों को सफाई व्यवस्था के उपयुक्त साधनों को उपलब्ध कराया जाना चाहिए। जिससे स्वच्छता कार्य को सुचारु रुप से पूरा किया जा सकें।

मुख्य शब्द- स्वच्छ भारत अभियान, स्वच्छता कर्मी,सर्वेक्षण रैंकिंग

समाज वैज्ञानिकी अक्टूबर-मार्च 2020-21
अंक-33-34, ISSN 0973-4201
भारतीय समाज विज्ञान परिषद्

अवधारणात्मक परिचय -

भारतीय संस्कृति का स्वच्छता से पुराना नाता रहा है। यहाँ के अधिकांश पर्वो की तैयारियां साफ-सफाई से ही शुरु होती है, लेकिन यह सफाई अभियान घरों की साफ-सफाई से ही शुरु होती है, लेकिन यह सफाई अभियान घरों की साफ-सफाई तक ही सिमटा रह जाता है। वास्तविकता तो यह है कि अपने घर की सफाई को लेकर हम जितने संजीदा रहते है, सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता के लिये उतने ही लापरवाही होते है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने **स्वच्छ भारत अभियान**[1] राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाकर देश को स्वच्छ बनाने की एक क्रांन्तिकारी पहल की है।

स्वच्छ भारत का उद्देश्य[2] व्यक्ति, क्लस्टर और सामुदायिक शौचालयों के निर्माण के माध्यम से खुले में शौच की समस्या को कम करना या समाप्त करना है। स्वच्छ भारत मिशन[3] शौचालय उपयोग की निगरानी के जबावदेह तंत्र को स्थापित कराने की एक पहल है। जिसमें प्रत्येक नगर के स्वच्छ परिवेश के निर्माण में कई श्रमिक कार्यरत है। जिनके प्रयत्न से शहर की अधोसरंचना को निर्मल बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

शहर में सफाई व्यवस्था बेहतर करने के लिए नगर निगम ने करोड़ों रुपये के संसाधन खरीदे लेकिन गंदगी कीसमस्या बनी हुई है। रीवा महापौर ने शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी की बैठक कर व्यवस्था सुधारने के लिये प्रयास जारी है।[4] इस वर्ष सफाई कर्मियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराये गये है, इससे पहले सफाई कर्मी को नालियों के भीतर नंगे पांव ही सफाई के लिए घुसना पड़ता था। सफाई में उठने वाली धूल से बचाव के लिए मास्क, ग्लप्स, जैकेट आदि सुरक्षा सामग्री दी गई है। झाड़ू लगाने और कचरा साफ करने करने की वजह से कई सफाई कर्मी श्वांस की बीमारी से ग्रसित है।[5] इसलिए निगम द्वारा समय-समय पर सफाई कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाना चाहिए।

सफाई कार्य के लिये सुरक्षा उपकरणों के मिलने के सफाई श्रमिकों की समस्याओं का कुछ हद तक कम किया जा सकता है। उनके स्वास्थ्य व सुरक्षा के लिये निगम द्वारा और प्रयास किये जाने चाहिए जिससे स्वचछ वातावरण को बनाये रखने में एक नई शक्ति के साथ कार्य कर सकें और इस व्यवस्था को बनाये रखने के लिये नगरवासी भी आगे आये और अपने परिवेश को स्वच्छ बनाने की एक पहल करें।

क्षेत्र का संक्षिप्त विवरण-

भारत की जनगणना की अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 2011 में रीवा की आबादी 2.35 लाख है, इनमें से पुरुष 124012 और महिला 111642 है।

रीवा में 95.93 प्रतिशत अनुयायियों के साथ हिन्दू धर्म बहुसंख्यक धर्म है। रीवा शहर में इस्लाम 3.61 प्रतिशत, इसाई 0.08 प्रतिशत, 0.04 प्रतिशत, सिख धर्म और बौद्ध धर्म 0.04 प्रतिशत, जैन धर्म 0.03 प्रतिशत है करीब 0.01 प्रतिशत अन्य धर्म। स्वच्छ भारत का प्रभाव गली मोहल्ले एवं अन्य जगहों में देखने को मिला हे। जिसका श्रेय स्वचछता कर्मियों को जाता है । नगर में दैनिक वेतनमान में लगभग 150 से अधिक श्रमिक, साप्ताहिक वेतनमान में लगभग 250 श्रमिक, व मासिक वेतन में लगभग 500 से ज्यादा श्रमिक स्वच्छता कार्य में लगे हुए हैं।

शोध के उद्देश्य -

1. शहर में स्वच्छता अभियान में लगे श्रमिकों की जानकारी प्राप्त करना।
2. शासन द्वारा सफाई कर्मियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करना।
3. स्वच्छता श्रमिकों के लिये संचालित योजनाओं के प्रभाव का मूल्यांकन करना तथा समस्याओं को जानना।
4. स्वच्छता श्रमिकों के कार्यों के प्रति लोगों में बदलाव की स्थिति को जानना।

अध्ययन पद्धति एवं उपकरण-

प्रस्तुत अध्ययन प्राथमिक एवं द्वितीय समंकों पर आधारित है। प्राथमिक समंकों के संकलन के लिए समग्र में से सुविचार निदर्शन विधि द्वारा रीवा नगर के सूचनादाताओं का अध्ययन के लिये चयन किया गया है।

प्रस्तुत शोध पत्र विश्लेषणात्मक है, तथ्यों के अध्ययन में साक्षात्कार अनुसूची, उपकल्पना एवं व्यक्तिगत अध्ययन पद्धति का प्रयोग किया गया है जिससे वस्तुनिष्ठ जानकारी प्राप्त हो सकें। संकलित सूचनाओं द्वारा प्राप्त सामग्री का वर्गीकरण, सारणीयन तथा तथ्यों का विश्लेषण कर निष्कर्ष निकाला गया है।

प्रस्तुत शोध में आवश्यकतानुसार स्वच्छ भारत अभियान लोगों से संकलित समंकों का भी प्रयोग किया गया हे। सरकारी एवं गैर सरकारी क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़े, लेखों तथा अभिलेखों, समाचार पत्र-पत्रिकाओं, प्रकाशित व अप्रकाशित शोध का अध्ययन कर आवश्यक सामग्रियों का संकलन किया गया है ।

उपकल्पना -

प्रस्तुत शोध पत्र की उपकल्पना इस प्रकार है- नगर निगम द्वारा सफाई कर्मियों के लिये पर्याप्त

सुविधाएं प्रदान की जा रही हे।

तथ्यों का संकलन, वर्गीकरण एवं विश्लेषण-

प्रस्तुत शोध में प्राथमिक एवं द्वितीयक सामग्री का संकलन किया गया है, प्राथमिक सामग्री के संकलन के लिए शासन स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम सरंचना में परिवर्तन जानने के लिये साक्षात्कार अनुसूची द्वारा संकलित प्रश्नों के उत्तर प्राप्त कर सामग्री संकलन किया गया है।

प्रस्तुत शोध में तथ्यों के संकलन के पश्चात प्राप्त आंकड़ों को समानता एवं भिन्नता के आधार पर वर्गीकृत सारणीयन कर कुछ महत्वपूर्ण निष्कर्षो के द्वारा विश्लेषण किया गया है।

1. रीवा नगर में सफाई कर्मियों की संख्या-

तालिका क्रमांक-1

शहर में सफाई कर्मियों की संख्या का विवरण

क्रमांक	विवरण	आवृत्ति
1.	दैनिक वेतन	200
2.	साप्ताहिक वेतन	300
3.	मासिक वेतन	500
	योग -	1000

इस तालिका से स्पष्ट होता है कि नगर निगम द्वारा शहर में दैनिक वेतनमान के आधार पर 200 श्रमिक, साप्ताहिक वेतनमान पर 300 श्रमिक, व नियमित लगभग 500 श्रमिक कार्यरत है। जो शहर की सफाई व्यवस्था को बनाये रखने में प्रतिदिन कार्यरत है।

2. नगर में कार्यरत सफाई कर्मियों का न्यूनतम वेतन आधार क्या है-

तालिका क्रमांक-2

सफाई कर्मियों के न्यूनतम वेतन का विवरण

क्रमांक	विवरण	आवृत्ति
1.	दैनिक आधार पर	300-500
2.	साप्ताहिक वेतन के आधार पर	3000-5000
3.	मासिक वेतन के आधार पर	5000-10000

इस तालिका से स्पष्ट होता है कि सफाई श्रमिकों को दैनिक वेतन के रुप में 300 से 500 के बीच श्रम राशि दी जाती है, तथा नियमित श्रमिकों व कर्मचारियों को 5000 से 10000 के वेतनमान का

भुगतान शासन द्वारा किया जाता है।

3. क्या आप नगर-निगम रीवा के सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य योजनाओं व सुरक्षाओं की व्यवस्था से सहमत है-

तालिका क्रमांक-3

सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य योजनाओं व सुरक्षाओं की व्यवस्था की जानकारी

क्रमांक	विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
1.	हाँ	35	70
2.	नहीं	15	30
	योग-	50	100

इस तालिका से स्पष्ट होता है कि 70 प्रतिशत श्रमिक सुरक्षा व्यवस्था से संतुष्ट है, तथा 30 प्रतिशत लोग इससे सहमत नहीं है। अत: स्पष्ट होता है कि श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था को और बढ़ावा देना चाहिए।

4. रीवा के स्वचछता कार्य में लगे श्रमिकों को कौन-कौन सी समस्याएं आती है-

तालिका क्रमांक-4

स्वच्छता कार्य में लगे श्रमिकों की समस्याएं

क्रमांक	विवरण	आवृत्ति
1.	स्वास्थ्य समस्या	40
2.	सुरक्षा की समस्या	50
3.	आवास की समस्या	10
	योग-	100

इस तालिका से स्पष्ट होता है कि स्वच्छता श्रमिकों को स्वास्थ्य, सुरक्षा व आवास की समस्या प्रमुख है।

5. रीवा नगर निगम द्वारा स्वच्छता जागरुकता के लिये किस साधन को अपनाना चाहिए-

तालिका क्रमांक-5

स्वच्छता प्रचार-प्रसार का माध्यम

क्रमांक	विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
1.	संचार माध्यम	20	40
2.	टेलीविजन	20	40
3.	समाचार पत्र	10	20
	योग-	50	100

इस तालिका से स्पष्ट होता है कि 40 प्रतिशत लोग संचार को (लाउड स्पीकर, पम्पलेट एवं स्पीकर) स्वच्छता अभियान को प्रोत्साहित करने के लिये सबसे अच्छा माध्यम मानते है, और 40 प्रतिशत लोग टेलीविजन को अच्छा साधन मानते है तथा 20 प्रतिशतत लोग समाचार को मानते हैं।

6. आपको साफ-सफाई से निकले कचरे को उठाने के लिये कौन से साधन उपलब्ध कराये गये है-

तालिका क्रमांक-6

सफाई व्यवस्था में प्रयुक्त साधन

क्रमांक	विवरण	आवृत्ति
1.	हाथ सफाई गाड़ी	20
2.	हाथ ठेला गाड़ी	30
3.	रिक्शा गाड़ी	50
4.	ट्रेक्टर ट्राली	05
5.	डम्पर	15

इस तालिका से स्पष्ट होता है कि सफाई कर्मियों को सफाई कार्य को करने के लिये कई वाहन मुहैया कराये गये है जिससे सफाई व्यवस्था को सुचारु रुप से किया जा सकें।

7. क्या स्वच्छता अभियान कार्यक्रम से लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता आई है-

तालिका क्रमांक-7

शहर में स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरूकता का विवरण

क्रमांक	विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
1.	हाँ	45	90
2.	नहीं	05	10
	योग-	50	100

इस तालिका से स्पष्ट होता है कि 90 प्रतिशत लोगों में सरकार द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के प्रति जागरूकता आई है तथा 10 प्रतिशत लोग स्वच्छता के लिए अभीभी जागरूक नहीं है।

उपकल्पना का परीक्षण-

तालिका क्रमांक 1 से 7 तक का विश्लेषण करने से स्पष्ट होता है कि शासन द्वारा स्वच्छता श्रमिकों स्वास्थ्य व सुरक्षा के लिये उपकरण उपलब्ध कराये गये है।

अत: प्राप्त तथ्यों के परीक्षण के पश्चात् हमारी उपकल्पना सत्य साबित होती है स्वच्छ भारत अभियान में कार्यरत श्रमिकों के लिये सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध है।

निष्कर्ष एवं सुझाव-

निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि-स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में जुड़े तथा कार्य कर रहे सभी सफाई कर्मियों के योगदान से रीवा नगर स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग में सबसे आगे है। रीवा नगर निगम द्वारा सफाई कर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें सुरक्षा सामग्रियों व उपकरणों की उचित क्वालिटी व संख्या में प्रदान किये गये हैं। इससे पहले सफाई का काम करने वाले कर्मचारियों और श्रमिकों को कोई सुरक्षा सुविधाएं प्रदान नहीं की गई थी। जिससे उन्हें कई परेशानियों व स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता था।

स्वच्छता के प्रचार-प्रसार को बढ़ाने के लिए जन संवाद शिविर टेलीविजन संचार माध्यम, स्कूल कॉलेज में निबंध प्रतियोगिता, चित्रकारी आदि के माध्यम से अभियान का संदेश जन-जन तक पहुँचाया जा रहा है। जिससे स्वच्छता अभियान के प्रति लोगों में जागरूकता आई है। अत: कहा जा सकता है कि स्वच्छता अभियान कार्यक्रम सफलता और अग्रसर है।

सुझाव - स्वच्छता कर्मियों के श्रम पर ही आल नगर स्वच्छता सर्वेक्षण में स्वच्छता की ओर बढ़ते शहर की पहली रैंकिंग में है जिसमें स्वच्छता श्रमिकों का योगदान सर्वोपरि है। अत: शोधार्थी द्वारा यह सुझाव दिया जाता है कि स्वच्छता श्रमिकों के स्वास्थ्य की जांच प्रत्येक महीने नगर निगम द्वारा शिविरों के माध्यम से कराई जानी चाहिए व उनके स्वास्थ्य व सुरक्षा के लिये उपकरण व साधन समय-समय पर प्रदान किये जाने चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ-

1. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी घोषणा स्वच्छ भारत अभियान 2014. *https://swachhbharat.mygov.in*, September 18, 2018, 04:03PM
2. स्वच्छ भारत अभियान-रीवा नगर निगम की स्वच्छता व्यवस्था। *https://swachhbharat.mygov.in*, September 18, 2018, 04:25PM
3. स्वच्छ भारत मिशन-शहरी स्वच्छता अभियान की स्थिति नगर पालिक, रीवा (म.प्र.) 2016 www.swachh.mpgov.in, September 18, 2018, 04:35PM
4. स्वच्छ भारत अभियान: एक कदम स्वच्छता की ओर- *https://www.india.gov.in*, September 19, 2018, 09:17PM
5. www.rewa.mp.gov.in,September 19, 2018, 10:06 PM
6. न्यूज- *www.bhaskar.com,*September 20, 2018, 09:35 PM

******